10.02(a)

हिंदी-विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

बी.ए. (प्रोग्राम) प्रयोजनमूलक हिंदी

चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति

(जुलाई, 2015 से आरम्भ)

परीक्षा-योजना तथा पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-1 : जुलाई, 2015-दिसंबर, 2015

सेमेस्टर-2 : जनवरी 2016-मई, 2016

सेमेस्टर-3 : जुलाई, 2016-दिसंबर, 2016

सेमेस्टर-4 : जनवरी, 2017-मई, 2017

सेमेस्टर-5 : जुलाई, 2017-दिसंबर, 2017

सेमेस्टर-6 : जनवरी, 2018-मई, 2018

शैक्षणिक-वर्ष 2015 में बी.ए. (प्रोग्राम) प्रयोजनमूलक हिंदी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

Department of Hindi * University of Delhi *

पाठ्यक्रम प्रस्तावना

सी.बी.सी.एस.

बी.ए. (प्रोग्राम) प्रयोजनमूलक हिंदी पाठ्यक्रम

B.A.(Prog.) Functional Hindi

अखिल भारतीय स्तर पर शिक्षा के स्तर, स्वरूप एवं पाठ्यक्रम में समानता लाने और क्रेडिट स्थानांतरण को संभव बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के अनुरूप दिल्ली विश्वविद्यालय में जुलाई 2015 के सत्र से बी.ए. (प्रोग्राम) प्रयोजनमूलक हिंदी पाठ्यक्रम के लिए हिंदी विभाग ने नवीन पाठ्यक्रम तैयार किया है। इसे सेमेस्टर प्रणाली की परीक्षा के अंतर्गत इस क्रम में लागू किया जाएगा :

सेमेस्टर-1 : जुलाई, 2015-दिसंबर, 2015
सेमेस्टर-2 : जनवरी 2016-मई, 2016
सेमेस्टर-3 : जुलाई, 2016-दिसंबर, 2016
सेमेस्टर-4 : जनवरी, 2017-मई, 2017
सेमेस्टर-5 : जुलाई, 2017-दिसंबर, 2017
सेमेस्टर-6 : जनवरी, 2018-मई, 2018

इस पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों का सेमेस्टर के अनुसार जो क्रम आगे रखा गया है उसे निम्नलिखित रूप में पढ़ना होगा :

(क) हिंदी भाषा योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम (HMIL-Comm.) (AECC) का प्रश्नपत्र हिंदी विभाग द्वारा तैयार किए गए बी.ए./बी.कॉम (प्रोग्राम) के पाठ्यक्रम के आधार पर ही इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को पढ़ना होगा।

(ख) आधुनिक भारतीय भाषा (HMIL) अनिवार्य प्रश्नपत्र-1 और आधुनिक भारतीय भाषा (HMIL) अनिवार्य प्रश्नपत्र-2 भी हिंदी विभाग द्वारा तैयार किए गए बी.ए./बी.कॉम (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम के आधार पर ही इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को पढ़ना होगा ।

(ग) कोर विषय के रूप में प्रयोजनमूलक हिंदी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए चार कोर प्रश्नपत्र क्रमशः सेमेस्टर एक से लेकर चार तक निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ने होंगे।

(घ) प्रयोजनमूलक हिंदी कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (FHSEC) के अंतर्गत विद्यार्थी तीसरे और चौथे सेमेस्टर में क्रमश: दिए गए विकल्पों में से प्रत्येक सेमेस्टर में किसी एक को चुनेगा ।

(ङ) प्रयोजनमूलक हिंदी विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (FHDSEC) के अंतर्गत इस पाठ्यक्रम का विद्यार्थी क्रमश: पाँचवें और छठे सेमेस्टर में दिए गए विकल्पों में से प्रत्येक सेमेस्टर में किसी एक को चुनेगा ।

(च) प्रयोजनमूलक हिंदी सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (FHGEC) के अंतर्गत पाँचवें और छठे सेमेस्टर में विकल्प सहित प्रश्न-पत्र दिए गए हैं। इन्हें कोई भी विद्यार्थी ले सकेगा।

इस प्रकार यह पाठ्यक्रम अपने नए रूप में हिंदी की बहुक्षेत्रीय प्रयोजनीयता की अद्यतन जरूरतों को पूरा करता है । इसे पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आगे चलकर न केवल कार्यालयी स्तर पर रोजगार की संभावनाएँ उपलब्ध होंगी बल्कि विकास के नए परिप्रेक्ष्य में उनके लिए मीडिया और बाजार के क्षेत्र में भी रोजगार का रास्ता खुलेगा।

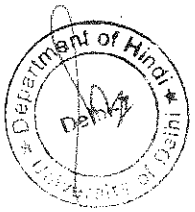

सी.बी.सी.एस.

(CHOICE BASED CREDIT SYSTEM)

बी.ए. (प्रोग्राम) प्रयोजनमूलक हिंदी पाठ्यक्रम (2015-2016 से लागू)

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सेमेस्टर - I

1.1 हिंदी भाषा : अनुप्रयोग के क्षेत्र (Core Discipline-1)

1.2 हिंदी भाषा योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Language - MIL/English Comm., AECC)

सेमेस्टर - II

2.1 हिंदी भाषा : कार्यालयी लेखन (Core Discipline-2)

2.2 आधुनिक भारतीय भाषा : भाषा और साहित्य क/ख/ग (Language - MIL/English-1)

सेमेस्टर - III

3.1 प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद और अनुवाचन (Core Discipline-3)

3.2 कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course, Any One)

(क) लेखन कौशल : विस्तार एवं संभावनाएं

अथवा

(ख) वेब पत्रकारिता

सेमेस्टर - IV

4.1 हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण (Core Discipline-4)

4.2 आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी गद्य : उद्भव और विकास - क/ख/ग (Language MIL/English-2)

4.3 कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course, Any One)

(क) हिंदी - शिक्षण

अथवा

(ख) पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान

सेमेस्टर - V

5.1 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-1, Any One)

(क) मनोरंजन-उद्योग और हिंदी

अथवा

(ख) हिंदी के विविध रूप

5.2 सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective-1, Any One)

(क) कम्प्यूटर और हिंदी

अथवा

(ख) विज्ञापन, बाज़ार और हिंदी

सेमेस्टर - VI

6.1 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-2, Any One)

(क) सृजनात्मक लेखन : सिद्धांत और व्यवहार

अथवा

(ख) विज्ञान, तकनीक, प्रोद्योगिकी और हिंदी

6.2 सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective-2, Any One)

(क) हिंदी में कार्टून, डबिंग और ग्राफिक बाल कथाएँ

अथवा

(ख) जनमाध्यम और हिंदी

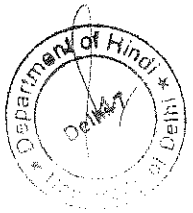

सेमेस्टर - I

1.1. हिंदी भाषा अनुप्रयोग के क्षेत्र (Core Discipline-1)

1. भाषा के विविध आयाम

   - सामान्य भाषा – सम्प्रेषणमूलकता, भाषिक रूपों की विविधता, अर्थ की एकरूपता, लक्षणा और व्यंजना का रूढ़ प्रयोग
   - रचनात्मक भाषा – अनुभूति की प्रधानता, अर्थ की विशिष्टता एवं विविधता, भाषा शैली की विविधता, सर्जनात्मक प्रयोग
   - सीमित कोड, विस्तृत कोड की अवधारणा
   - प्रयोजनमूलक भाषा – मानकभाषा की अवधारणा, अर्थ की सुनिश्चितता, सम्प्रेषणमूलकता, पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग

2. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र : (क) राजभाषा के रूप में हिंदी

   - राजभाषा का अर्थ एवं महत्व
   - प्रशासनिक भाषा का स्वरूप
   - विधि क्षेत्र में हिंदी
   - पारिभाषिक शब्दावली – हिंदी की प्रकृति और पारिभाषिक शब्द की निर्माण-प्रक्रिया

3. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र : (ख) व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी

   - व्यावसायिक क्षेत्र की भाषा – बैंक, बीमा, मीडिया
   - विज्ञापन एवं बाजार की हिंदी
   - प्रस्तुति-कलाओं में हिंदी
   - खेलकूद में हिंदी

4. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र : (ग) शिक्षा तथा विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी

   - शिक्षा-माध्यम के रूप में हिंदी
   - वैज्ञानिक क्षेत्र में हिंदी

- मानविकी-अध्यापन में हिंदी का प्रयोग
- वाणिज्य-अध्यापन में हिंदी का प्रयोग

संदर्भ-पुस्तकें :

1. भाषा: स्वरूप और संरचना, हेमचंद्र
2. मानक हिंदी : संरचना एवं प्रयोग, रामप्रकाश
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत एवं प्रयोग, दंगल झाल्टे
4. व्यावहारिक राजभाषा कोश, दिनेश चमोला
5. प्रयोजनमूलक हिंदी, रघुनन्दन प्रसाद शर्मा

सेमेस्टर - II

2.1 हिंदी भाषा कार्यालयी लेखन (Core Discipline-2)

1. कार्यालयी भाषा : सामान्य परिचय

   - कार्यालय : अवधारणा एवं परिचय
   - कार्यालयी कार्य पद्धति
   - कार्यालयी भाषा : परिभाषा, अवधारणा और संरचना
   - कार्यालयी भाषा की विशेषताएं
   - कार्यालय की आचार-संहिता

2. कार्यालयी पत्र

   - आधुनिक युग में कार्यालयी पत्र का स्वरूप और महत्व
   - कार्यालयी पत्रों की प्रमुख विशेषताएं, कार्यालयी पत्र के प्रकार
   - कार्यालय में प्राप्त पत्रों का अध्ययन, टिप्पण और सुझाव
   - पत्रोत्तर और नए पत्रों का लेखन (प्रारूपण)

3. कार्यालयी पत्रों की लेखन-विधि

   - सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग
   - कार्यालयी पत्र-लेखन के विभिन्न चरण
   - प्रारूपण, टिप्पण
   - प्रेस-विज्ञप्ति, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन-लेखन
   - अन्य कार्य – नोटशीट, फाईलिंग आदि

4. कार्यालयी प्रयुक्तियाँ : अवधारणा एवं महत्व

   - विशिष्ट कार्यालयी शब्दावली : 100 (अंग्रेजी-हिंदी)
   - विशिष्ट कार्यालयी शब्दावली : 100 (हिंदी-अंग्रेजी)

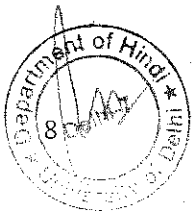

ENGLISH-HINDI

1.	Face value	अंकित मूल्य
2.	Space research	अंतरिक्ष अनुसंधान
3.	Astronaut/Comsonaut	अंतरिक्ष यात्री
4.	Last Pay Certificate	अंतिम वेतन पत्र
5.	Contributory Provident Fund	अंशदायी भविष्य निधि
6.	Pro priority	अग्रता / प्राथमिकता
7.	Transferor	अंतरक / अंतरणकर्ता / हस्तांतरणकर्ता
8.	Unvoiced sounds	अघोष ध्वनियां
9.	Jurisdiction	अधिकार क्षेत्र
10.	Suppression	अधिक्रमण
11.	Mandate	अधिदेश / आज्ञा / आदेश
12.	Ordinance	अध्यादेश
13.	Non-resident	अनिवासी
14.	Adjourn-sine-die	अनिश्चित काल के लिए स्थगन
15.	Attestation	अनुप्रमाणन / सरक्ष्यांकन
16.	Maintenance Charges	अनुरक्षण प्रभार
17.	Research and Development	अनुसंधान और विकास
18.	Immoral Traffic	अनैतिक व्यापार
19.	Supernatural Powers	अतिप्राकृतिक शक्तियां
20.	Additional Grant	अतिरिक्त अनुदान
21.	Up-to-date position	अद्यतन स्थिति
22.	Initials	आद्यक्षर / लघु हस्ताक्षर
23.	Monism	अद्वैतवाद / एक तत्व वाद
24.	Pending cases	अनिर्णीत मामले
25.	Abnormal	अपसामान्य / असाधारण / असामान्य
26.	Irrevocability Clause	अप्रतिसहंरणीयता खंड
27.	Bad debt	अप्राप्य ऋण / डूबा ऋण
28.	Subscribed capital	अभिदत्त पूंजी
29.	Freedom of Speech	वाक् स्वातंत्र्य
30.	Semantics/Semaslogy	अर्थ विज्ञान
31.	Minority Commission	अल्पसंख्यक आयोग
32.	Caution	अवधान / सतर्कता / सावधानी
33.	Rolling Plan	अनवरत योजना
34.	Dishonored Cheque	अस्वीकृत चेक
35.	Genetics	आनुवंशिकी

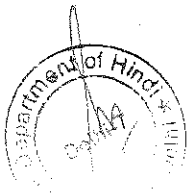

81.	Rural Development	ग्राम विकास
82.	Order of merit	गुणानुक्रम
83.	Deficit Financing	घाटे की अर्थ–व्यवस्था
84.	Deficit Budgeting	घाटे का बजट
85.	Agronomy	कृषि शास्त्र / सास्य विज्ञान
86.	Gross irregularity	घोर अनियमितता
87.	Consolidation	चकबंदी
88.	Character assassination	चरित्र–हनन
89.	Current Loan	चालू ऋण
90.	Magnetism	चुम्बकत्व
91.	Public agitation/movement	जन–आंदोलन
92.	Referendum	जनमत संग्रह
93.	Public support	जनसमर्थन
94.	Public conveniences	जनसुविधाएं
95.	Vital Statistics	जन्म–मृत्यु सांख्यिकी / जन्म–मरण के आंकड़े
96.	Hoarding	जमाखोरी
97.	District Treasury	जिला खजाना
98.	Nervous System	तांत्रिका तंत्र / स्नायु तंत्र
99.	Palatals	तालव्य (ध्वनियां)
100.	Policy of appeasement	तुष्टिकरण की नीति

हिन्दी–अंग्रेज़ी

1.	अपसामान्य व्यवहार	Abnormal behavior
2.	शुल्क में कमी	Abatement of duty
3.	भूस्वामित्व / जमींदारी उन्मूलन	Abolition of land owner/ownership
4.	संक्षिप्त रिपोर्ट	Abridged report
5.	अनुपस्थिति विवरण	Absentee Statement
6.	पूर्ण एकाधिकार	Absolute monopoly
7.	आमेलन / अंतर्लयन	Absorption
8.	सार लेखा	Abstract Account
9.	शक्ति का दुरूपयोग	Abuse of Power
10.	पद स्वीकृति	Acceptance of Office
11.	आकस्मिक त्रुटि	Accidental error
12.	अग्नि परीक्षा, कसौटी	Acid Test
13.	अनुकूलन	Adaptation
14.	अतिरिक्त वेतन	Additional Pay
15.	अपर सचिव	Additional Secretary
16.	स्थगन प्रस्ताव	Adjournment motion
17.	प्रवेश सूची	Admission list
18.	व्यस्क मताधिकार	Adult Franchise
19.	प्रतिकूल इंदराज / प्रविष्टि	Adverse entry
20.	विज्ञापन और दृश्य प्रचार	Advertising and visual publicity
21.	सौंदर्य शास्त्र	Aesthetics
22.	कार्य--सूची	Agenda
23.	भूमि संबंधी सुधार	Agrarian reforms

24.	सस्य विज्ञान / कृषि शास्त्र	Agronomy
25.	जलथलचर / उभयचर	Amphibian
26.	जोशपूर्ण चर्चा (जोशपूर्ण वादविवाद)	Animated discussion
27.	असंगति, विषमता	Anomaly
28.	प्रदूषण विरोधी अभियान	Anti-pollution drive
29.	कौशल, अभिक्षमता	Aptitude
30.	माध्यस्थम अधिकरण	Arbitration Tribunal
31.	शस्त्र संग्रह	Arms Build up
32.	बकाया कार्य रिपोर्ट	Arrears report
33.	संगम अनुच्छेद (विधि), संस्था के अंतर्नियम	Article of Association
34.	कुर्की अधिकारी	Attachment Officer
35.	प्राधिकृत पाठ / प्रामाणिक / अधिकारिक पाठ	Authoritative Text
36.	प्रामाणिक अनुवाद	Authentic translation
37.	पदोन्नति के अवसर	Avenues of promotion
38.	डूबा ऋण / अशोध्य ऋण	Bad debt
39.	तुलन–पत्र	Balance Sheet
40.	संतुलित बजट	Balanced Budget
41.	साफ इंकार / कोरा जवाब	Bare Denial
42.	हितकारी निधि	Benevolent Fund
43.	द्विसदनी विधान मंडल	Bichameral legislature
44.	द्विवार्षिक प्रदर्शनी	Biennial Exhibition
45.	द्विवार्षिक कार्यक्रम	Biennial programme
46.	द्विपक्षीय करार	Bilateral agreement
47.	पक्षी विहार	Bird Santuary
48.	क्वथनांक	Boiling point
49.	पुस्तक समीक्षा	Book review
50.	प्रतिभा पलायन	Brain drain
51.	अनुशासन भंग	Breach of discipline
52.	सेवा में व्यवधान	Break in service
53.	बजट अनुमान	Budget Estimate
54.	बजट प्रावधान	Budget provisions
55.	आकार भाषा	Building Languages
56.	दफ्तरशाही, नौकरशाही, अधिकारी तंत्र	Bureaucracy
57.	पूंजी निवेश	Capital investment
58.	पूंजीकरण	Capitalisation
59.	प्राणदंड, मृत्युदंड	Capital Punishment
60.	नकदी बट्टा, रोकड़ बट्टा	Cash discount
61.	अनियत मजदूर / नैमित्तिक मजदूर	Casual Labour
62.	उच्चतम कीमत, उच्चतम निर्धारित कीमत	Celling Price
63.	मूर्धन्य ध्वनियां	Cerebrals
64.	समारोह परेड	Ceremonial prade
65.	डाक प्रमाणपत्र	Certificate of posting
66.	कालक्रम	Chronological order
67.	रक्त संचार	Circulation of Blood

68.	पारिस्थितिक साक्ष्य	Circumstantial evidence
69.	सिविल प्रक्रिया	Civil procedure
70.	नागरिक अधिकार	Civil rights
71.	वर्गीकृत विज्ञापन	Classisfied advertisement
72.	पूर्ण दिन	Clear Day
73.	नैदानिक मनोविज्ञान	Clinical psychology
74.	संपार्शिर्वक साक्ष्य	Collateral evidence
75.	अनियततापी / असमतापी प्राणी	Cold Blooded animal
76.	एवजी छुट्टी / प्रतिपूरक छुट्टी	Compensatory leave
77.	सक्षम प्राधिकारी	Competent authority
78.	परिवादा / फरियादी / शिकायतकर्ता	Complainant
79.	अर्थग्रहण परीक्षण	Comprehension test
80.	अवतल लेंस	Concave lens
80.	समवर्ती सूची	Concurrent list
81.	भावशून्य स्वागत	Cold reception
82.	नृशंस / क्रूर हत्या	Cold blooded murder
83.	सामूहिक जुर्माना	Collective fine
84.	स्तंभ लेखक	Columnist
85.	स्मारक सिक्का	Commemorative coin
86.	जांच आयोग	Commission of inquiry
87.	सांप्रदायिक सौहार्द / मेल	Communal harmony
88.	मिलाप / सद्भाव	Hormony
89.	सांप्रदायिक नरसंहार	Communal holocaust
90.	अनुकम्पा आधार	Compassionate ground
91.	चेतना	Consciousness
92.	रूढ़िवादी समाज	Conservative Society
93.	समेकित निधि संचित निधि	Consolidated fund
94.	भूवकबंदी	Consolidation of land
95.	आकस्मिक व्यय	Contingent expenditure
96.	संविदा / ठेका	Contract
97.	परिणत छुट्टी	Commuted Leave
98.	लागत लेखाकरण	Cost accounting
99.	प्रत्यारोप	Counter Charge
100.	प्रत्यय–पत्र	Credential

संदर्भ-पुस्तकें :

1. प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

2. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कृष्ण कुमार गोस्वामी

3. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग, गोपीनाथ श्रीवास्तव

4. विशिष्ट पत्र-लेखन, रूपचंद्र गौतम

5. कार्यालयी हिंदी, हरिबाबू कंसल

6. आजीविका साधक हिंदी, पूरनचंद टंडन

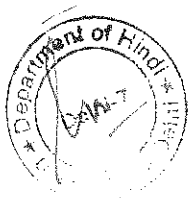

सेमेस्टर - III

3.1 प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद और अनुवाचन (Core Discipline-3)

1. प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद का अंत:संबंध
    - प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और क्षेत्र
    - अनुवाद की अवधारणा और क्षेत्र
    - प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद
2. अनुवाद : प्रविधि और प्रक्रिया
    - अनुवाद प्रक्रिया के चरण
    - अंग्रेजी-हिंदी व्यावहारिक अनुवाद : समस्या और सीमाएँ
    - अनुवाद के उपकरण एवं साधन
3. तत्काल भाषांतरण और अनुवाद
    - तत्काल भाषांतरण : अवधारणा, स्वरूप और महत्व
    - तत्काल भाषांतरण की प्रक्रिया एवं क्षेत्र
    - तत्काल भाषांतरण और अनुवाद में साम्य-वैषम्य
4. हिंदी के विविध क्षेत्र और व्यावहारिक अनुवाद
    - प्रशासनिक हिंदी और अनुवाद
        - शब्दावली, टिपण्णी, प्रयुक्ति, विभिन्न पत्र, पदनाम, अनुभाग नाम संक्षिप्ताक्षर आदि के अनुवाद
    - बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य क्षेत्र में अनुवाद
        - शब्दावली और अनुवाद
        - अनुच्छेदों, प्रयुक्तियों आदि के अनुवाद
    - विधि क्षेत्र में अनुवाद
        - विधि शब्दावली का अनुवाद

Department of Hindi

- विधि सामग्री का अनुवाद

- सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अनुवाद
  - खान-पान की शब्दावली और अनुवाद
  - रिश्ते-नातों की शब्दावली और अनुवाद
  - पर्व-उत्सवों तथा संस्कारों आदि की भाषा और अनुवाद
  - मुहावरों-लोकोक्तियों के अनुवाद
- संचार माध्यम और अनुवाद (प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का संदर्भ)
  - समाचार लेखन, वाचन और अनुवाद
  - विज्ञापन-निर्माण और अनुवाद प्रक्रिया
  - आँखों देखा हाल, उदघोषणाएँ और अनुवाद
  - मीडिया की अन्य सामग्री और अनुवाद
- साहित्यिक अनुवाद
  - काव्यानुवाद
  - गद्यानुवाद

संदर्भ-पुस्तकें :

1. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग, कैलाशचन्द्र भाटिया
2. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप, कैलाशचन्द्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, हरिमोहन
4. अनुवाद शास्त्र : व्यवहार से सिद्धांत की ओर, हेमचन्द्र पांडे
5. सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद, सुरेश सिंहल
6. अनुवाद प्रक्रिया, रीतारानी पालीवाल
7. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. अनुवाद का उत्तर जीवन, रमण सिन्हा
9. भाषांतरण कला – एक परिचय, मधु धवन

Department of Hindi

सेमेस्टर – III

3.2 कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course, Any One)

(क) लेखन कौशल : विस्तार एवं संभावनाएं

1. लेखन कौशल के आयाम

- लेखन कौशल : व्यवहार के विभिन्न क्षेत्र - प्रेस, रेडियो, टेलीविज़न एवं मल्टी मीडिया
- प्रूफ रीडिंग एवं सम्पादन – समाचार, फीचर सम्पादकीय, वार्ता, स्तम्भ एवं साक्षात्कार में प्रूफ रीडिंग एवं सम्पादन
- रेडियो एवं टेलीविज़न – उच्चारण की शुद्धता, वॉईस मॉड्युलेशन, वाचन प्रक्रिया - रेडियो के लिए-समाचार, वार्ता, रेडियो रूपक आदि। टेलीविज़न के लिए – समाचार-वाचन कार्यक्रम संयोजन
- मल्टी मीडिया में हिंदी भाषिक अनुप्रयोग मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट, आईपैड, ई-बुक रीडर

2. लेखन-कौशल के सर्जनात्मक रूप

- कविता, कहानी, रिपोर्ताज एवं संवाद
- व्यावसायिक लेखन, भाषण, गीत, स्लोगन, होर्डिंग, विज्ञापन
- बच्चों के लिए मनोरंजनपरक, साहित्यिक लेखन और खेल संबंधी लेखन
- विज्ञापन कथा और यात्रा साहित्य लेखन की प्रक्रिया

3. लेखन कौशल के आधार – अनुकूल परिस्थितियाँ, विषय का ज्ञान

- लेखन-कौशल प्रक्रिया –विषय-वस्तु का चयन
- ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर लेखन
- कथा-सूत्र का निर्माण और लेखन-कार्य
- लेखन कार्य का प्रूफ-शोधन एवं सम्पादन

Department of Hindi

4. अंतिम प्रारूप मूल्यांकन

- लेखन संबंधी व्यावहारिक कार्य :
- कविता लेखन, कहानी लेखन
- विज्ञापन लेखन, स्लोगन लेखन
- साक्षात्कार की तैयारी

संदर्भ-पुस्तकें :

1. रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम
2. हिंदी प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद, डॉ. पूरनचंद टंडन
3. टेलीविज़न लेखन, असगर वजाहत और प्रभात रंजन
4. टेलीविज़न की भाषा, हरीशचंद्र बर्णवाल
5. हिंदी भाषा, हरदेव बाहरी

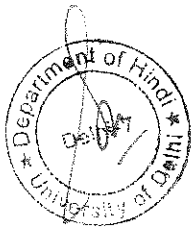

सेमेस्टर - III

3.2 अथवा

(ख) वेब पत्रकारिता

1. वेब पत्रकारिता : परिचय

   - इंटरनेट पत्रकारिता और भारतीय समाज
   - वेब पत्रकारिता – परिभाषा, इतिहास, संचार माध्यम के रूप में वेब पत्रकारिता
   - न्यू मीडिया के रूप में वेब पत्रकारिता – उपयोगिता, शक्ति एवं सीमाएँ
   - भूमंडलीकृत संचार-क्रान्ति और हिंदी पत्रकारिता

2. वेब पत्रकारिता : अंतर्वस्तु निर्माण

   - वेब पत्रकारिता सामग्री का एकत्रीकरण
   - वेब कंटेंट लेखन–प्रक्रिया (विषय एवं भाषा)
   - वेब समाचार निर्माण एवं सम्पादन
   - वेब कंटेंट का ले-आउट, डिज़ाइन एवं प्रस्तुति

3. हिंदी पत्रकारिता के प्रमुख वेब पोर्टल : एक परिचय

   - प्रमुख हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ और उनके वेब पोर्टल
   - सोशल मीडिया के रूप में वेब पत्रकारिता
   - ब्लॉग लेखन : फेसबुक, ट्विटर और विविध पत्रिकाएँ
   - सोशल मीडिया का प्रभाव

4. वेब पत्रकारिता : व्यावहारिक कार्य

   - किसी एक हिंदी अखबार के वेब पोर्टल की भाषा का अध्ययन
   - किसी एक ऑनलाइन समाचार की केस स्टडी
   - किन्हीं दो प्रमुख हिंदी वेब पोर्टलों की विषय-वस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण
   - किसी प्रमुख ऑनलाइन पत्रिका के सामाजिक प्रभाव का सर्वेक्षण एवं उसका विश्लेषण

संदर्भ-पुस्तकें :

1. डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग जर्नलिज्म. जितेन्द्र शर्मा
2. Communication, Technology and development, I.P. Tiwari
3. Net Media and Communication, Jagdish Chakrawarty
4. Internet Journalism in India. Om Gupta
5. Mass Media and Information Technology, J.K. Singh

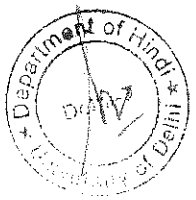

सेमेस्टर – IV

4.1 हिंदी-अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण (Core Discipline - 4)

1. (क) कम्प्यूटर परिचय

- कम्प्यूटर की विकास यात्रा
- कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली
- कम्प्यूटर के विभिन्न घटक
- कम्प्यूटर की संरचना (हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की भूमिका)

(ख) भाषाई कम्प्यूटर

- यूनीकोड पूर्व
- यूनीकोड की वर्तमान स्थिति
- भाषाई कम्प्यूटर का भविष्य
- हिंदी लेखन, प्रकाशन व वेब प्रकाशन के आवश्यक औजार (वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, फॉण्ट प्रबंधन, विविध तकनीक)

2. इंटरनेट का इतिहास और बदलता स्वरूप

- इंटरनेट के बौद्धिक, निजी, सामुदायिक समूहों का परिचय
- हिंदी विकीपीडिया का इस्तेमाल और उसकी विकास प्रक्रिया का अध्ययन
- एनकोडिंग, फ़ाइल शेयरिंग, फ़ाइल कन्वर्जन
- साइबर क्राइम, क़ानून तथा आचार-संहिताएँ

3. प्रायोगिक कार्य और इंटरनेट

- एम. एस. ऑफिस का अध्ययन (हिंदी के विभिन्न कुंजीपटलों के संदर्भ में)
- हिंदी में एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा पेज मेकर में कार्य
- ब्लॉग – प्रकाशन, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, इंटरनेट पर सामग्री-सृजन, यू-ट्यूब
- विभिन्न कम्प्यूटर मशीनों पर कार्य

4. कोश

- कोश : प्रयोजन तथा महत्व
- कोश प्रयोग विधि
- कोश के प्रकार – सामान्य कोश, विश्वकोश, समान्तर कोश, मुहावरा लोकोक्ति कोश, तकनीकी कोश आदि

संदर्भ-पुस्तकें :

1. कम्प्यूटर एक परिचय, सं. संतोष चौबे
2. एम एस ऑफिस – विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा
4. इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास, ब्रूस स्टर्लिंग
5. कम्प्यूटर और हिंदी, हरिमोहन
6. समान्तर कोश, अरविन्द कुमार
7. तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दधीच

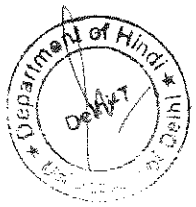

सेमेस्टर – IV

4.3 कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course, Any One)

(क) हिंदी – शिक्षण

1. भाषा-शिक्षण की अवधारणा
   - भाषा-शिक्षण : अभिप्राय तथा उद्देश्य
   - हिंदी-शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक और भाषिक संदर्भ
   - प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
   - सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा-शिक्षण
2. हिंदी भाषा-शिक्षण
   - हिंदी की भाषिक संरचना की समझ
   - व्याकरण, शब्द, वाक्य, अर्थ
   - लेखन, वार्तालाप, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रारूपण, अपठित गद्यांश
3. हिंदी साहित्य शिक्षण
   - साहित्य-शिक्षण की विधि
   - साहित्य-शिक्षण की चुनौतियाँ और पाठ
   - पद्य-शिक्षण
   - गद्य-शिक्षण
4. भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन
   - भाषा-परीक्षण की संकल्पना
   - भाषा-मूल्यांकन की संकल्पना
   - भाषा-परीक्षण के विविध प्रकार
   - मूल्यांकन के प्रकार

संदर्भ-पुस्तकें :

1. भाषा-शिक्षण, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. अन्य भाषा-शिक्षण के कुछ पक्ष, सं. अमर बहादुर सिंह
3. भाषा-शिक्षण, लक्ष्मीनारायण शर्मा
4. हिंदी भाषा-शिक्षण, भोलानाथ तिवारी
5. भाषा: स्वरूप और संरचना, हेमचंद्र पांडे
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, सं. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्ण कुमार गोस्वामी
7. हिंदी भाषा की रूप संरचना, भोलानाथ तिवारी
8. हिंदी : शब्द-अर्थ-प्रयोग, हरदेव बाहरी

सेमेस्टर – IV

4.3 अथवा

(ख) पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान

1. पारिभाषिक शब्दावली

- स्वरूप, अवधारणा एवं विशेषताएँ
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग का परिचय
- विभिन्न क्षेत्र – मानविकी, वाणिज्य, विधि, विज्ञान आदि
- अनुप्रयोग की उपादेयता

2. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के संप्रदाय एवं सिद्धांत

- पारिभाषिक शब्दावली का इतिहास
- पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण-प्रक्रिया
- पारिभाषिक शब्दावली की एकरूपता
- पारिभाषिक शब्दावली के उपयोग की प्रविधि

3. कोश : अवधारणा एवं प्रकार

- अभिप्राय और परिभाषा
- उपयोगिता और महत्व
- कोश : वर्गीकरण के आधार
- भाषाकोश और भाषेतर कोश

4. कोश निर्माण की प्रक्रिया

- शब्द संकलन एवं चयन, वर्तनीक्रम
- व्याकरणिक कोटि और स्रोत
- प्रविष्टि के आधार
- शब्द का अर्थ, प्रयोग एवं विस्तार

संदर्भ-पुस्तकें :

1. कोश विज्ञान, भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी कोश रचना: प्रकार और रूप, रामचंद्र वर्मा
3. हिंदी शब्द सागर, नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग
4. कोश विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग, रामआधार सिंह
5. कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग, त्रिभुवननाथ शुक्ल
6. पारिभाषिक शब्दावली की विकासयात्रा, गार्गी गुप्त
7. 'अनुवाद' त्रैमासिक (कोश विशेषांक) अंक – 94-95

सेमेस्टर – V

5.1 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective – I, Any one)

(क) मनोरंजन-उद्योग और हिंदी

1. मनोरंजन की भाषा के रूप में हिंदी

   - मनोरंजन की अवधारणा और स्वरूप
   - मनोरंजन और भाषा की संप्रेषणीयता
   - मनोरंजन की भाषा और विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मिश्रण

2. रेडियो और हिंदी भाषा

   - एफ. एम. चैनलों की हिंदी
   - आकाशवाणी के अन्य चैनलों की हिंदी
   - रेडियो समाचारों की भाषा
   - रेडियो के अन्य कार्यक्रमों में प्रयुक्त हिंदी

3. इंटरनेट और हिंदी भाषा

   - एस. एम. एस. की हिंदी
   - यू-ट्यूब और हिंदी
   - ट्वीटर की हिंदी – वाट्सप की हिंदी
   - ब्लॉग और फेसबुक में प्रयुक्त हिंदी

4. मनोरंजन-उद्योग में हिंदी-प्रयोग

   - मनोरंजन-उद्योग के विभिन्न क्षेत्र और विस्तार
   - सिनेमा और हिंदी
   - ऐतिहासिक-पौराणिक, सामाजिक धारावाहिकों और रियल्टी-शो में प्रयुक्त हिंदी
   - फ़िल्मी गीतों की हिंदी (रोमांटिक, देशभक्ति, समूह-गीत और आइटम गीत)

Department of Hindi

संदर्भ-पुस्तकें :

1. सोशल मीडिया, योगेश पटेल
2. उत्तर-आधुनिक मीडिया तकनीक, हर्षदेव
3. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता, कृष्ण कुमार रत्तू
4. पटकथा कैसे लिखें, राजेन्द्र पांडे
5. मीडिया समग्र-खण्ड, प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
6. हिंदी सिनेमा का सफरनामा, जय सिंह

सेमेस्टर – V

5.1 अथवा

(ख) हिंदी के विविध रूप

1. हिंदी का क्षेत्रगत विस्तार

   - भाषा के रूप में हिंदी का विकास और उसके विविध अनुप्रयोग
   - साहित्य एवं संचार की भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार
   - प्रशासनिक एवं राजभाषा के रूप में हिंदी
   - हिंदी और हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी का स्वरूप

2. हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी का स्वरूप

   - राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के दौर में हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी
   - हिंदी इतर क्षेत्रों में हिंदी के अनुप्रयोग
   - भूमंडलीकरण, हिंदी इतर क्षेत्र और हिंदी
   - रोजगार की स्थितियाँ, हिंदी इतर क्षेत्र और हिंदी भाषा

3. हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी

   - हिंदी का जनपदीय और राष्ट्रीय संदर्भ
   - हिंदी और क्षेत्रीय बोलियों का अंत:संबंध
   - राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
   - साहित्य, संचार एवं मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी

4. हिंदी का अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ

   - हिंदी का वैश्विक विस्तार
   - वैश्विक स्तर पर प्रकाशित हिंदी की प्रमुख ई-पत्र-पत्रिकाएँ
   - अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य 'एक परिचय', अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी शिक्षण और संस्कृति
   - हिंदी सिनेमा का अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ

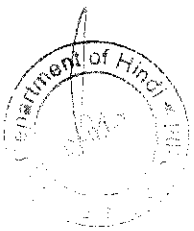

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी विकास और स्वरूप, कैलाशचन्द्र भाटिया
2. हिंदी और उसकी उपभाषाएँ, विमलेशकांति वर्मा
3. भाषा और समाज, रामविलास शर्मा
4. भाषाई अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिन्दी प्रवासी कहानी : एक अन्तर्यात्रा, सं. अजय नावरिया सुषमा आर्य

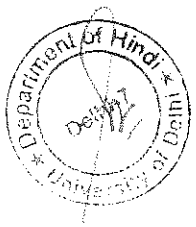

सेमेस्टर – V

5.2 सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective – I, Any One)

(क) कम्प्यूटर और हिंदी

1. भाषा और प्रौद्योगिकी : एक अंतर्संबंध

   - कम्प्यूटर और भारतीय भाषाएँ
   - कम्प्यूटर और हिंदी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ
   - कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग
   - हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयर

2. कम्प्यूटर और हिंदी

   - हिंदी फॉण्ट का अनुप्रयोग : यूनीकोड से पूर्व एवं उसके पश्चात
   - देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं विकास
   - हिंदी कीबोर्ड का स्वरूप एवं विकास
   - हिंदी वेब डिजाइनिंग, हिंदी वेबसाइटस और हिंदी ई-पोर्टल

3. कम्प्यूटर, हिंदी लेखन एवं प्रकाशन

   - हिंदी ई-पत्र-पत्रिकाएँ (विषय वस्तु एवं भाषिक विश्लेषण)
   - हिंदी ब्लॉग लेखन
   - हिंदी विकीपीडिया लेखन
   - कम्प्यूटर और हिंदी विज्ञापन लेखन

4. कम्प्यूटर एवं हिंदी के अन्य आयाम

   - ऑन-लाइन सेवाएँ और हिंदी
   - ई-लर्निंग और हिंदी
   - ई-गवर्नेंस एवं राजभाषा हिंदी की स्थिति
   - कम्प्यूटरकृत हिंदी भाषा का अध्ययन

Department of Hindi

संदर्भ-पुस्तकें :

1. कम्प्यूटर : एक परिचय, सं. संतोष चौबे
2. इंटरनेट, शशि शुक्ला
3. इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास, (ब्रूस स्टर्लिंग) दीवान-ए-सराय 01, वाणी प्रकाशन
4. वाक : अंक (तीन) वाणी प्रकाशन
5. कम्प्यूटर के भाषिक प्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा
6. तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दधचि

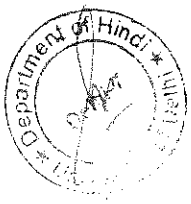

सेमेस्टर – V

5.2 अथवा

(ख) विज्ञापन, बाजार और हिंदी

1. विज्ञापन का परिचय

   - विज्ञापन : अर्थ, अवधारणा और महत्व
   - विज्ञापन के प्रकार
   - विज्ञापन और अर्थतंत्र
   - माध्यम, बाजारवाद और विज्ञापन का अंतर्संबंध

2. विज्ञापन और कॉपी-लेखन

   - कॉपी-लेखन का प्रारूप
   - कॉपी-लेखन के लिए आवश्यक बातें
   - कॉपी-लेखन प्रक्रिया (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए)
   - विज्ञापन कॉपी-लेखन के अंग – शीर्षक, उपशीर्षक, बॉडी कॉपी, चित्र, ट्रेडमार्क, ले-आउट एवं स्लोगन आदि।

3. विज्ञापन लेखन एवं भाषा-शैली

   - प्रिंट माध्यम और विज्ञापनों की भाषा
   - इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और विज्ञापनों की भाषा
   - ई-विज्ञापनों की भाषा
   - विभिन्न माध्यमों में विज्ञापनों की शैली

4. विज्ञापन संबंधी व्यावहारिक कार्य

   - प्रिंट मीडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण
   - रेडियो के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण
   - टेलीविज़न के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण

- किन्हीं दो विज्ञापनों के सामाजिक प्रभाव की समीक्षा

संदर्भ-पुस्तकें :

1. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार, विजय कुलश्रेष्ठ
2. विज्ञापन की दुनिया, कुमुद शर्मा
3. डिजिटल युग में मॉस कल्चर और विज्ञापन, सुधा सिंह एवं जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. एडवरटाईजिंग मेड सिम्पल, फ्रैंक जेफ़ किन्स

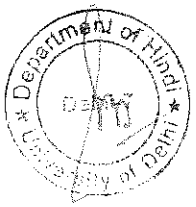

सेमेस्टर – VI

6.1 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective – 2, Any One)

(क) सृजनात्मक लेखन : सिद्धांत और व्यवहार

1. सृजनात्मक लेखन : सामान्य परिचय

   - सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप और महत्व
   - सृजनात्मक लेखन के प्रमुख तत्व
   - सृजनात्मक लेखन की प्रमुख विशेषताएँ
   - सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य

2. सृजनात्मक लेखन : व्यवहार और क्षेत्र

   - पद्य, गद्य, कहानी, एकांकी, जीवनी, डायरी
   - उपभोक्ता केंद्रित लेखन – स्लोगन, भाषण, गीत
   - प्रचार सामग्री लेखन, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग, पम्फलेट, वॉल-राइटिंग
   - महिला-लेखन, बाल-साहित्य एवं खेल संबंधी लेखन

3. सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया

   - सृजनात्मक लेखन के आधार – अनुकूल परिस्थितियाँ, विषय का ज्ञान, अभ्यास, लेखन की अनिवार्यता की अनुभूति
   - रचना प्रक्रिया – विषय वस्तु का चयन, ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर सोच-विचार, कथा-सूत्र का निर्माण, लेखन कार्य
   - लेखन कार्य का पठन एवं आवश्यक सुधार
   - सतत मूल्यांकन और आत्म निरीक्षण

4. संचार माध्यमों के लिए लेखन

   - समाचार पत्र-पत्रिकाओं के लिए लेखन – समाचार, पुस्तक समीक्षा, साक्षात्कार
   - रेडियो के लिए लेखन – रेडियो वार्ता, रेडियो फीचर आँखों देखी घटना

- टेलीविज़न के लिए लेखन – संवाद, विज्ञापन, परिचर्चा
- अन्य लेखन – ब्लॉग राइटिंग, वेबसाइट राइटिंग

संदर्भ-पुस्तकें :

1. रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम
2. रचनात्मक लेखन, हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
3. संचार भाषा हिंदी, सूर्य प्रसाद दीक्षित
4. वर्तमान संदर्भ में हिंदी, मुकेश अग्रवाल
5. बदलता समाज मनोविज्ञान और हिंदी, पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी

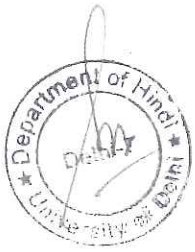

सेमेस्टर – VI

6.1 अथवा

(ख) विज्ञान, तकनीक, प्रौद्योगिकी और हिंदी

1. ज्ञान-विज्ञान की भाषा और हिंदी

   - हिंदी का वैज्ञानिक साहित्य
   - वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्दावली निर्माण
   - विज्ञान पत्रकारिता और विज्ञान संवाददाता
   - हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में वैज्ञानिक सामग्री की भाषा

2. तकनीक और हिंदी भाषा

   - तकनीकी क्रांति और हिंदी भाषा
   - अद्यतन तकनीक में हिंदी का अनुप्रयोग (कम्प्यूटर मोबाइल, इंटरनेट आदि)
   - प्रचलित तकनीकी शब्दावली
   - प्रचलित सॉफ्टवेयर में प्रयुक्त हिंदी (whatsapp, facebook आदि)

3. प्रौद्योगिकी और हिंदी

   - उच्च प्रौद्योगिकी में हिंदी की स्थिति
   - प्रौद्योगिकी की पारिभाषिक हिंदी शब्दावली
   - हिंदी प्रौद्योगिकी साहित्य लेखन की समस्याएँ
   - हिंदी प्रौद्योगिकी साहित्य लेखन विस्तार, प्रोत्साहन और संभावनाएँ

4. विज्ञान, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी लेखन

   - वैज्ञानिक लेखन की अंतर्वस्तु
   - तकनीकी लेखन की अंतर्वस्तु
   - प्रौद्योगिकी लेखन की अंतर्वस्तु
   - उपर्युक्त लेखन की विशेषताओं का सोदाहरण प्रस्तुतिकरण एवं विश्लेषण

Department of Hindi

संदर्भ-पुस्तकें :

1. सूचना-प्रौद्योगिकी हिंदी और अनुवाद, सं. पूरनचंद टंडन
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम, महेंद्रसिंह राणा
3. हिंदी विज्ञान पत्रकारिता, मनोज कुमार पटैरिया
4. राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं, हरिमोहन
5. विज्ञान पत्रकारिता के मूल सिद्धांत, शिवगोपाल मिश्र
6. व्यवसायिक क्षेत्रों में हिंदी प्रयोग, एस. पी. शर्मा

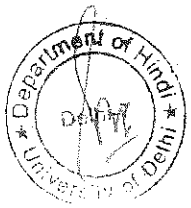

सेमेस्टर – VI

6.2 सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective – 2, Any One)

(क) हिंदी में कार्टून, डबिंग और ग्राफिक बाल कथाएँ

1. कार्टून : स्वरूप और अवधारणा

   - हिंदी कार्टून की विकास यात्रा : सामान्य परिचय
   - हिंदी के समाचार पत्रों में कार्टून का प्रयोग, स्थान आकार और कथ्य
   - कार्टून की अंतर्वस्तु का विश्लेषण और हिंदी के महत्वपूर्ण कार्टूनिस्ट
   - कार्टून के प्रकार और महत्व

2. डबिंग

   - हिंदी में डबिंग : आवश्यकता और स्वरूप
   - हिंदी सिनेमा और डबिंग
   - हिंदी के कार्टून चैनल और डबिंग कार्यक्रम
   - हिंदी में ज्ञान-विज्ञान के कार्यक्रमों में डबिंग

3. ग्राफिक बाल-कथाओं का स्वरूप और विकास

   - हिंदी की ग्राफिक बाल कथाओं का स्वरूप और विकास
   - ग्राफिक कथाएँ और बाल-मनोरंजन, सूचना तथा भाषा-निर्माण
   - हिंदी की प्रमुख ग्राफिक बाल पत्रिकाएँ
   - अंतर्वस्तु विश्लेषण

4. रचना-प्रक्रिया एवं व्यावहारिक कार्य

   - विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कार्टून का विवेचन और दिए गए विषय पर कार्टून निर्माण
   - किसी डब कार्यक्रम की भाषा का विश्लेषण
   - किसी सिनेमा या धारावाहिक की डबिंग की समीक्षा
   - ज्ञान-विज्ञान के डब कार्यक्रमों में परिवेश, संस्कृति और भाषा की समीक्षा

Department of Hindi

संदर्भ-पुस्तकें :

1. डिस्टॉर्टेड मिरर. आर. के. लक्ष्मण
2. ब्रशिंग अप द इयर्स : ए कार्टूनिस्ट हिस्ट्री ऑफ़ इण्डिया. आर. के. लक्ष्मण
3. फोटोशॉप एलिमेंट-2 (स्पेशल इफेक्ट). अल्वार्ड
4. फोटोशॉप-6. स्टीव रोमानिलो

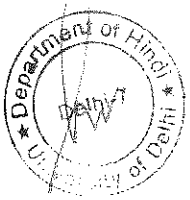

सेमेस्टर VI

6.2 अथवा

(ख) जनमाध्यम और हिंदी

1. हिंदी जनमाध्यम : परिचय. अवधारणा और सिद्धांत

   - जनमाध्यमों का स्वरूप और प्रकार
   - जनमाध्यमों की कार्यशैली, उद्देश्य और अपेक्षाएँ
   - आधुनिक परिप्रेक्ष्य में जनमाध्यम सैद्धांतिकी
   - प्रोपेगैण्डा, जनमाध्यम और बाजार

2. हिंदी जनमाध्यम : स्वरूप विस्तार

   - स्वतंत्रता पूर्व जनमाध्यमों का परिचय (विभिन्न समाचार पत्रों और रेडियो के संदर्भ में)
   - व्यावसायिक पत्रकारिता का विस्तार (हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ तथा श्वेत-श्याम टेलीविज़न)
   - ख़बरिया चैनल और केबल नेटवर्किंग
   - हिंदी जनमाध्यम और स्वामित्व का प्रश्न

3. जनमत-निर्माण में जनमाध्यम की भूमिका

   - 'जन' की अवधारणा
   - जनमत की महत्ता
   - जनमत और सत्ता के सरोकार
   - जनमत, प्रचार और प्रभाव

4. जनमाध्यम और हिंदी

   - ग्रामीण क्षेत्र और हिंदी जनमाध्यम – (रिपोर्टिंग, समाचार, फीचर, लाइव-दृश्य, साक्षात्कार)
   - रोजगार और कृषि संबंधी हिंदी के समाचार पत्र और चैनल
   - स्थानीय समस्याएँ, संसदीय प्रतिनिधित्व
   - सांस्कृतिक पत्रकारिता और हिंदी

Department of Hindi

संदर्भ-पुस्तकें :

1. जनमाध्यम सैद्धांतिकी, जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह
2. मॉस कम्युनिकेशन, डेनिस मैक्वेल
3. जनमाध्यम, पीटर गोल्डिंग
4. सूचना समाज, अर्माड मै. लार्ड
5. द प्रॉसेस एंड एफेक्ट्स ऑफ़ मॉस कम्युनिकेशन, विलवर